भारतीय गेंदबाजों का कहर

तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 112 रन पर रोका

तिरुवनंतपुरम 26 दिसम्बर. भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला टीम के बीच तीसरा टी20 **तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है.**

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, जो भारतीय गेंदबाजों ने सही साबित किया. तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 4 विकेट लिए, स्पिनर गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट चटकाए. श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने जीत के लिए 113 रनों का लक्ष्य रखा है. श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती है, लेकिन उन्होंने धीमे शुरुआत की. दीप्ति शर्मा ने अट्टापट्टू के रूप में भारत को पहला विकेट दिलाया, श्रीलंका की कप्तान ने 12 गेंदें खेलकर सिर्फ 3 रन बनाए. पॉवरप्ले के आखिरी ओवर में तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 2 ब? विकेट लिए. उन्होंने छठे ओवर की तीसरी गेंद पर ओपनर हसीनी परेरा (25) को आउट किया. ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने हर्षिता माधवी का विकेट लिया. हर्षिता ने 4 गेंदें खेलकर 2 रन बनाए.

रेणुका सिंह ने लिए 4 विकेट

परेरा और हर्षिता माधवी के आलावा रेणुका सिंह ने इमेशा दुलानी और नीलाक्षी डी सिल्वा को आउट किया. दुलानी ने 27 रन बनाए, लेकिन इसके लिए 32 गेंदें खेली. कविशा दिलहरी ने 13 गेंदें खेलकर 20 रन बनाए, उन्हें दीप्ति शर्मा ने अपना शिकार बनाया. भारत के लिए सिर्फ रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने ही विकेट लिए, हालांकि कोई ऐसा गेंदबाज नहीं रहा जिसने 6 से अधिक की इकॉनमी से रन खर्चे. रेणुका सिंह ने 4 ओवरों में मात्र 21 रन देकर 4 विकेट लिए. दीप्ति शर्मा ने 4 ओवरों में 18 रन ही दिए, उन्होंने 3 विकेट चटकाए.

बॉक्सिंग डे टेस्ट बना गेंदबाजों का खेल

एमसीजी में घास का कहर : एक दिन में 20 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 46 रन आगे

मेलबोर्न 26 दिसम्बर. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चौथा एशेज टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है. मैच के पहले ही दिन 20 विकेट गिर गए और पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 4 रन बना लिए हैं.

बोलैंड-नेसर ने एमसीजी को फिर बनाया ऑस्ट्रेलियाई किला

इस मुकाबले के पहले ही दिन नया इतिहास लिख दिया गया है, क्योंकि एशेज के इतिहास में पिछले 123 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब मेलबर्न में किसी टेस्ट मैच के पहले ही दिन 20 या उससे ज्यादा विकेट गिर गए हों. चौथे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. मेलबर्न की पिच बल्लेबाजी के लिए इतनी खराब रही कि देखते ही देखते ऑस्ट्रेलिया ने 51 के स्कोर तक 4 विकेट गंवा दिए थे. जैसे तैसे टीम 100 रनों के पार पहुंची. अंत में कंगारू टीम की पारी 152 रनों पर सिमट गई थी. इंग्लैंड की टीम जब बल्लेबाजी करने आई, तो उसका हाल ऑस्ट्रेलिया से भी बुरा रहा. इंग्लैंड ने 16 रन के भीतर 4 विकेट खो दिए थे. हैरी ब्रूक के 41 रन और गस एटकिंसन के 28 रनों की बदौलत इंग्लैंड टीम जैसे-तैसे 110 के स्कोर पर पहुंचकर सिमट गई. बताते चलें कि ये सभी 20 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए.

123 साल बाद हुआ ये कारनामा

मेलबर्न में खेले गए किसी टेस्ट के पहले दिन 20 या उससे ज्यादा विकेट आखिरी बार 1902 में गिरे थे. उस समय मैच के पहले ही दिन 25 विकेट गिर गए थे. यह स्थल स्टेडियम इतिहास में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. किसी एक टेस्ट मैच के पहले दिन सबसे ज्यादा विकेट भी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के ही मैच में गिरे थे. 1888 में इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन 27 विकेट गिर गए थे.

स्मिथ ने द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ा

स्टीव स्मिथ ने एक फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में राहुल द्रविड़ के 210 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सिर्फ़ जो रूट (214) के पास उनसे ज्यादा कैच हैं। स्टीव स्मिथ ने जैक क्रॉली को दूसरे स्लिप पर यह कैच पकड़ा, जिससे वह एक फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में राहुल द्रविड़ के 210 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ गए।

एक नजर में

शौरी ने की शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी

राजकोट . विदर्भ के ध्रुव शौरी ने राजकोट में हैदराबाद के ख़िलाफ विजय हजारे ट्रॉफ़ी मैच में 77 गेंदों में नाबाद 109 रनों की पारी खेलते हुए नारायण जगदीशन के लिस्ट ए क्रिकेट में लगातार सर्वाधिक (पांच) शतक लगाने के रिकॉर्ड को बराबर कर लिया है। तीन नंबर पर आने के बाद शौरी ने अमन मोखाड़े और यश राठौड़ के बीच हुई 148 रनों की ओपनिंग साझेदारी का पूरा लाभ लिया। शौरी ने अपनी पारी में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए विदर्भ को पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 365/5 के स्कोर तक पहुंचाया। लिस्ट ए क्रिकेट में यह शौरी का आठवां शतक था। विदर्भ ने 89 रन से यह मुकाबला जीता। 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफ़ी के नॉकआउट से ही शौरी का यह शतक लगाने का सिलसिला चला आ रहा है। पिछले सीजन उन्होंने क्वार्टर फ़ाइनल, सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल में शतक जड़े थे। करुण नायर के साथ मिलकर विदर्भ को फ़ाइनल तक ले जाने में अहम भूमिका निभाने वाले शौरी अपनी टीम के लिए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने आठ पारियों में 70.47 की औसत और 92.68 की स्ट्राइक रेट के साथ 494 रन बनाए थे।

पीएसपीबी टीमों ने पूरा किया गोल्डन डबल

इंदौर . पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) के पुरुषों ने पुराना हिसाब बराबर करने के लिए एक शानदार प्रदर्शन किया, शुक्रवार को यहां एएआई 52वीं इंस्टीट्यूशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) को पिछले संस्करण की हार का करारा जवाब देते हुए 3-0 की शानदार जीत के साथ पुरुष टीम का खिताब जीता। यह जीत और भी खास थी क्योंकि इसने अभय प्रशाल में एक बेहतरीन दोपहर को पूरा किया, जहां पीएसपीबी की महिलाओं ने पुरुषों की तरह ही शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को इसी अंतर से हराकर एक यादगार गोल्डन डबल हासिल किया। बदले से लेकर दबदबे तक, पीएसपीबी ने अपनी श्रेष्ठता के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा, एक ऐसा फाइनल लिखा जो दोनों टीमों में गहराई, अनुभव और चैंपियनशिप स्वभाव को दर्शाता था। पीएसपीबी ने शुरुआत से ही लय बनाई और अपनी पकड़ कभी ढीली नहीं की, एक ऐसा प्रदर्शन किया जिसने यह साबित किया कि वे चैंपियनशिप को निर्विवाद डबल चैंपियन के रूप में क्यों खत्म कर पाए। शुरुआत से ही इरादा साफ था क्योंकि हरमीत देसाई ने रेलवे के शीर्ष खिलाड़ी आकाश पाल को सीधे गेम में 11-5, 11-6, 11-5 से हरा दिया.

नोएडा निंजास ने कानपुर वारियर्स को मात दी

नोएडा . उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 21 ए स्थित नोएडा इनडोर स्टेडियम में देर रात गुरुवार को उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन दो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया, अकस्मात शुरू हुए देर रात कबड्डी प्रतियोगिता का पहला मुकाबला नोएडा निंजास और कानपुर वारियर्स के बीच हुआ जहां नोएडा निंजास ने कानपुर वारियर्स के 39-36 से मात देकर जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश कबड्डी सीजन दो प्रतियोगिता के आयोजकों द्वारा शुक्रवार को जानकारी दी गई कि उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन दो प्रतियोगिता की शुरुआत गत बुधवार को होना था, जिसके लिए आयोजकों द्वारा जिला प्रशासन एवं खेल संबंधी प्रशासन से अनुमति में देरी होने के चलते ये समस्या सामने आई जिस कारण जिला प्रशासन द्वारा बढ़ते प्रदूषण के स्तर पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान चतुर्थ के अंतर्गत पाबंदियों अथवा निर्देशों का हवाला देते हुए कबड्डी खेल आयोजन को स्थगित कर दिया गया था,जो 24 दिसंबर तय तारीख के मुताबिक आयोजित नहीं की जा सकी, अथवा कुछ समय पश्चात जिला प्रशासन के जारी निर्देशों के अनुपालन के तहत कबड्डी खेल परिसर में एयर प्यूरिफायर और मास्क लगाने की अनिवार्य शर्त पर आयोजन के लिए मंजूरी दे दी गई।

70 टीमें जूनियर नेशनल खो खो स्पर्धा में भाग लेंगी

बेंगलुरु, . 44वीं जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप 2025-26 में लगभग 35 लड़कों और इतनी ही लड़कियों की टीमों के भाग लेने की उम्मीद है, जो 31 दिसंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक गुंजूर, बेंगलुरु में होगी। लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश हैं जो चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। राज्यों के अलावा, कोल्हापुर, विदर्भ और मध्य भारत जैसे मान्यता प्राप्त खो खो संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें भी चैंपियनशिप में खिताब के लिए मुकाबला करेंगी, जो लीग-कम-नॉकआउट आधार पर होगी। सभी की निगाहें महाराष्ट्र पर होंगी, जिसने 25 से 29 नवंबर, 2024 तक अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में आयोजित 43वीं जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में खिताब जीता था। लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में प्री-क्वार्टर फाइनल मैच सुबह और क्वार्टर फाइनल मैच दोपहर में 03 जनवरी को होंगे। 04 जनवरी को, सेमीफाइनल सुबह और उसके बाद फाइनल होंगे। लड़कों और लड़कियों दोनों टीमों को 8-8 समूहों में बांटा गया है।

कतर और ओमान में टी20 विश्व कप ट्रॉफी

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर भारत में राम सेतु के नाम से मशहूर, सांस्कृतिक रूप से पूजनीय एडम ब्रिज पर अपने शानदार लॉन्च के बाद, डीपी वर्ल्ड के साथ आईसीसी पुरुष टी20 **वर्ल्ड कप** 2026 **ट्रॉफी टूर ने कतर और ओमान में अपना सफर सफलतापूर्वक पूरा किया।**

इस दौरान दोनों देशों के प्रमुख शहरों और मशहूर जगहों पर फैंस, छात्रों और समुदायों को शामिल किया गया। कतर में, ट्रॉफी एक पारंपरिक धो नाव से दोहा कॉर्निश पहुंची, जो शहर के स्काईलाइन के सामने थी। यह देश की समुद्री विरासत और ग्लोबल खेल में उसकी बढ़ती भूमिका का प्रतीक था। देश भर की अपनी यात्रा के दौरान, ट्रॉफी ने कतर के कई सबसे मशहूर जगहों का दौरा किया, जिनमें सीलाइन बीच, एस्पायर ज़ोन (जिसे दोहा स्पोर्ट्स सिटी के नाम से भी जाना जाता है), कटारा कल्चरल विलेज, सूक वकीफ और लुसैल बुलेवार्ड शामिल हैं। ट्रॉफी को एक केंद्रीय सार्वजनिक सभा स्थल पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय खिलाड़ी, दूतावास और सामुदायिक नेता मौजूद थे, जिससे फैंस को ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन और फोटो के अवसरों के माध्यम से जुड़ने का मौका मिला।

फैन ने की हार्दिक पांड्या से बदतमीजी

सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली 26 दिसम्बर. भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एक बार फिर चर्चा में हैं. हालांकि इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि मैदान के बाहर का एक वीडियो है.

सोशल मीडिया पर हार्दिक का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक फैन हार्दिक के साथ बदतमीजी करता नजर आता है. इसके बाद हार्दिक का रिएक्शन देखने लायक होता है. यह घटना क्रिसमस ईव की बताई जा रही है, जब हार्दिक पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ एक रेस्टोरेंट के बाहर नजर आए. वीडियो में देखा जा सकता है कि हार्दिक पहले माहिका को बड़े आराम से कार में बैठने में मदद करते हैं. इसके बाद वह कुछ फैंस के साथ सेल्फी भी लेते हैं. हालांकि, जब हार्दिक वहां से जाने लगते हैं, तो कुछ फैन लगातार और तस्वीरें लेने की जिद करने लगते हैं.

हार्दिक का रिएक्शन बना मिसाल

इस अपमानजनक टिप्पणी के बावजूद हार्दिक पंड्या ने न तो पलटकर जवाब दिया और न ही कोई गुस्से वाला रिएक्शन दिया. वह चुपचाप वहां से चले गए. उनका यही शांत व्यवहार सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और खूब वायरल हो रहा है.

18 चैलेंजर ट्रॉफी पर श्रीजी ग्रीन सीहोर का कब्जा

भोपाल 26 दिसम्बर. आज सुबह चैलेंजर ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला श्रीजी ग्रीन सीहोर और ग्रीन पैराडाइज भोपाल के मध्य खेला गया जिसमें श्रीजी ग्रीन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 208 रनों का विशाल लक्ष्य रखा जिसमें आदित्य अग्रवाल ने 64 आदर्श ने 49 और विकास ने 33 रनों की पारी खेली ग्रीन पैराडाइज की गेंदबाजी में योगेश को दो विकेट मिले रवि सचिन और हुसैन को एक-एक विकेट मिला. लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्रीन पैराडाइज की पूरी टीम 148 रनों पर आउट हो गए और श्रीजी ग्रीन ने 60 रनों से फाइनल मैच जीतकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया

ग्रीन पैराडाइज की ओर से रवि नरवर ने सर्वाधिक 37 रनों का योगदान दिया दिव्यांशु ने 29 और सचिन ने 19 रनों का योगदान दिया. अनंत अग्रवाल की शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें एल आई सी मैन ऑफ़ द फाइनल चुना गया प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण माननीय पीसी शर्मा एवं माननीय अरणेश्वर सिंह देव बाबा साहब के द्वारा किया गया इस मौके पर समिति के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे

विजय हजारे ट्रॉफी में महाराष्ट्र की दमदार जीत

कोहली-पंत चमके, रिंकू का शतक

नई दिल्ली 26 दिसम्बर. विजय हजारे ट्रॉफी के शुक्रवार के मुकाबले भारतीय घरेलू क्रिकेट की उसी तस्वीर को सामने लाए, जहां अनुभव और युवा जोश एक साथ मैदान पर असर छोड़ते हैं।

जयपुर में खेले गए एलीट ग्रुप सी मुकाबले में महाराष्ट्र ने सिक्किम को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने उतरी महाराष्ट्र की टीम ने राजवर्धन हंगारगेकर की घातक गेंदबाज़ी के दम पर सिक्किम को महज़ 150 रन पर समेट दिया। हंगारगेकर ने 21 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि रामकृष्ण घोष ने तीन बल्लेबाज़ों को पवेलियन भेजा। लक्ष्य का पीछा करते हुए महाराष्ट्र ने कोई जल्दबाज़ी नहीं दिखाई। पृथ्वी शॉ ने 51 रन की सधी हुई पारी खेली, अर्शिन कुलकर्णी ने 40 रन जोड़े और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 38 रन बनाकर नाबाद लौटे। महाराष्ट्र ने 18 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे मुकाबले की एकतरफापन साफ़ झलकी।

सिक्किम पर एकतरफा जीत

बेंगलुरु में एलीट ग्रुप डी का मैच पूरी तरह अलग कहानी लेकर आया, जहां दिल्ली और गुजरात के बीच मुकाबला आख़िरी ओवरों तक सांस रोकने वाला रहा। दिल्ली की जीत के केंद्र में रहे विराट कोहली और कप्तान ऋषभ पंत। कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ते हुए 61 गेंदों में 77 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। वहीं पंत ने 79 गेंदों पर 70 रन की आक्रामक पारी खेली। दिल्ली ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 254 रन बनाए, जवाब में गुजरात की टीम लक्ष्य के बेहद करीब पहुंची, लेकिन 47.4 ओवर में 247 रन पर सिमट गई।

7 साल से नहीं बढ़ी अंपायर की सैलरी

नई दिल्ली 26 दिसम्बर. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले कुछ सालों में खिलाड़ियों की सैलरी में काफी इजाफा किया है, वो चाहे इंटरनेशनल टीम के हो या घरेलू खिलाड़ी, पुरुष हों या महिला क्रिकेटर्स, बीसीसीआई ने हालिया कुछ सालों में खिलाड़ियों की कमाई में बढ़ोतरी की है, जिसकी काफी तारीफ दूसरे देश के खिलाड़ी और क्रिकेट एक्सपर्ट करते रहते हैं.

हालांकि बीसीसीआई के तहत जितने भी अंपायर्स आते हैं, उनकी सैलरी में पिछले 7 साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है. एक रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है, जिसमें बताया गया है कि बीसीसीआई के अंडर में फिलहाल 186 अंपायर हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है.

भारतीय घरेलू क्रिकेट में कुछ ही दिनों पहले रणजी ट्रॉफी और फिर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का सीजन खेल गया, जिसके बाद, अब विजय हजारे ट्रॉफी का सीजन शुरू हो चुका है. इसके समापन के बाद फिर से रणजी ट्रॉफी का दूसरा हिस्सा शुरू होगा. इनके अलावा, सीनियर विमेंस वनडे और टी20 टूर्नामेंट भी होते हैं, जबकि जूनियर लेवल के भी कई मैच होते हैं. इन सभी में अंपायरिंग की जिम्मेदारी बीसीसीआई के मौजूदा कुल 186 अंपायर संभालते हैं.

मुंबई ने उत्तराखंड को हराया

नई दिल्ली 26 दिसम्बर. विजय हजारे ट्रॉफी में अपने दूसरे मुकाबले में मुंबई ने उत्तराखंड को 51 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने 50 ओवरों में 7 विकेट पर 331 रन बनाए थे. रोहित शर्मा का बल्ला आज नहीं चला, वह शून्य पर आउट हो गए. हार्दिक तमोर ने 93 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला. लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तराखंड की टीम 50 ओवरों में 280 रन ही बना पाई. इस जीत के बाद शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम अपने ग्रुप की अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है.

छक्कों का साल ▶ **अभिषेक शर्मा ने 100 से ज़्यादा छक्के जड़कर रचा इतिहास, युवा बल्लेबाज़ों ने बदली भारतीय क्रिकेट की तस्वीर**

2025 में भारतीय क्रिकेट पर पावर-हिटर्स का राज

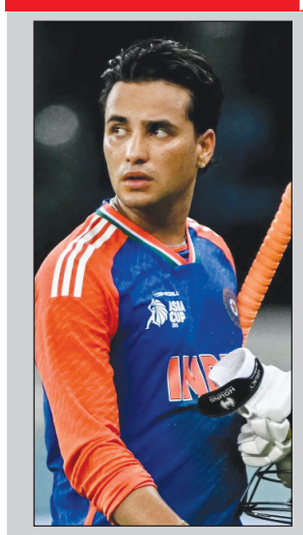

साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए सिर्फ़ जीत और हार का साल नहीं रहा, बल्कि यह पावर-हिटिंग के उभार का साल बनकर सामने आया। टेस्ट से लेकर टी-20 और घरेलू टूर्नामेंट तक, भारतीय बल्लेबाज़ों ने यह साफ़ कर दिया कि अब छक्का सिर्फ़ जोखिम नहीं, रणनीति है। इस बदलती तस्वीर के सबसे बड़े चेहरे बने अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हर फॉर्मेट को मिलाकर 100 से ज़्यादा छक्के जड़ते हुए भारतीय क्रिकेट में एक नया बेंचमार्क सेट किया। अभिषेक शर्मा का 2025 का सफ़र बताता है कि आक्रामक बल्लेबाज़ी अब किसी एक फॉर्मेट तक सीमित नहीं रही। अंतरराष्ट्रीय मैचों, आईपीएल और घरेलू टूर्नामेंटों में उन्होंने जिस निरंतरता से गेंद को बाउंड्री के बाहर भेजा, उसने चयनकर्ताओं और विरोधी टीमों—दोनों को सोचने पर मजबूर किया। ईशान किशन का नाम इस पावर-हिटिंग लिस्ट में होना किसी को हैरान नहीं करता। 2025 में उन्होंने घरेलू और सीमित ओवरों के मुकाबलों में लगातार बड़े शॉट लगाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ के तौर पर उनकी भूमिका सिर्फ़ रन बनाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने मिडिल ऑर्डर में आकर मैच की दिशा बदलने का काम किया।

इस सूची में दूसरा बड़ा नाम उभरता है वैभव सूर्यवंशी का, जिन्हें 2025 की सबसे बड़ी खोजों में गिना जा रहा है। कम उम्र और सीमित अनुभव के बावजूद वैभव ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में जिस बेख़ौफ अंदाज़ में बल्लेबाज़ी की, उसने उन्हें तेजी से चर्चा में ला दिया। बड़े गेंदबाज़ों के खिलाफ बिना झिझक छक्के मारना उनके खेल की पहचान बन गई। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि अगर यही ग्राफ़ बना रहा, तो वैभव आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट का स्थायी चेहरा बन सकते हैं।